अनुक्रम

०.	अपनी बात	९
१.	आधी रात का गजर	१३
२.	सदी में पहली बार	१६
३.	स्याह फूलों का गुच्छा	१९
४.	मिर्ज़ा साहब की हवेली	२५
५.	बारादरी का क़िस्सा	३१
६.	गिनती	३५
७.	एक नाम है नियति	३९
८.	ये तपिश	४२
९.	बुझा चाहती है ये लौ	४५
१०.	हवा आज़माने का मौसम यही है	४७
११.	रेत पर ख़ेमा	५०
१२.	जान बची तो	५३
१३.	किन का कोटा	५५
१४.	हम सियोल से लौट आए	५७
१५.	बाल-चरवाहों के बीच	६०
१६.	सच के सिवा	६३
१७.	मैं ने हिंदी कैसे सीखी	६७

□

१८.	पहला क़दम पहले	७१
१९.	देर से पहुंचना	७४
२०.	ख़ुदाओं की जंग	७७
२१.	मुस्लिम सोच में बदलाव	८०
२२.	एक राजनीतिक पतन	८४
२३.	नहीं, जनाब ओवैसी, नहीं	८७
२४.	हमलावरों की पहचान	९१
२५.	जो भंवर में हैं	९४
२६.	बहस से भागना ठीक नहीं	९७
२७.	संभव पहल	१००
२८.	हाथ में हाथ	१०३
२९.	सब का सरोकार	१०६
३०.	अनमोल तमग़ा	१०९
३१.	अपना मन टटोलिए	११२
३२.	उनका सत्ता-प्रेम	११६
३३.	उम्मीद की किरणें	१२०
३४.	नई डगर	१२३
३५.	नये प्रतीक गढ़ने होंगे	१२७
३६.	मृत्युदंड के ख़िलाफ़	१३०
३७.	हम स्कूल से डरते हैं	१३४
३८.	भीड़ धर्म नहीं है	१३७
३९.	एक स्याह बाब	१४२
४०.	नस्ली जंग के ख़तरे	१५१
४१.	शर्मिंदगी नहीं थी वहां	१५६
४२.	जिन मुट्ठियों में है भारत	१५९
४३.	मुस्लिम देशों का भी फ़र्ज़ है	१६२
४४.	एक नई आंधी से पहले	१६५
४५.	एक अपरिचित नाम	१६९
४६.	सत्ता सामंतों की कृतघ्नता	१७२
४७.	लोक-शासन यानी रस्म-अदायगी	१७५

□□

४८.	अतीत का चेहरा	१७९
४९.	चेतावनी के बोल	१८६
५०.	सामूहिक हत्या की परंपरा	१८९
५१.	हत्यारों को सम्मान	१९३
५२.	पुलिस का तिलिस्म	१९६
५३.	पड़रिया से आगे	२०१
५४.	एक और गांव	२०५
५५.	विस्थापितों को मां की गोद	२०९
५६.	सामना	२१३
५७.	पुलिस को शक का लाभ	२१७
५८.	सरकार पर कलंक	२२०
५९.	पुलिस के नाम	२२३
६०.	दो मुल्कों की एक कहानी	२२७

□□□